ध्येय पथ

फरवरी 2024

मासिक ई-पत्रिका

सम्पादक

श्रीमती पुष्पा निषाद

डॉ. सुबोध कुमार मिश्र

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़

गोरखपुर

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

07 फरवरी को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग एवं पुणे इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में Importance of Skills for carear growth and Fintech विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पुणे इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के सहायक आचार्य श्री नितीश श्रीवास्तव ने वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी और आभार ज्ञापन विभाग प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने किया। कार्यक्रम का संचालन बी.काम. षष्टम सेमेस्टर के छात्र श्री शिवम यादव ने तथा संयोजन श्री सिद्धार्थ शुक्ल ने किया।

भारत कोकिला सरोजनी नायडू की जयन्ती एवं राष्ट्रीय महिला दिवस

13 फरवरी को महाविद्यालय में भारत कोकिला सरोजनी नायडू की जयन्ती एवं राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ''सशक्त नारी : सशक्त भारत'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कला संकाय की अधिष्ठाता प्रो. कीर्ति पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. भावना पाण्डेय ने, स्वागत डॉ. आरती सिंह ने व आभार ज्ञापन उप प्राचार्य शिप्रा सिंह ने किया।

विचार गोष्ठी

13 फरवरी को महाविद्यालय में राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में बी. एड्. विभाग द्वारा एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में बी.एड्. विभाग के विद्यार्थियों द्वारा ''भारत में महिलाओं की स्थिति : अतीत से वर्तमान तक' विषय पर समूह परिचर्चा किया गया। इस गोष्ठी में बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के समस्त विद्यार्थी और समस्त विभागीय शिक्षक उपस्थित रहे।

सरस्वती पूजा

14 फरवरी को महाविद्यालय में बसंत पंचमी के अवसर पर ज्ञान की अधिष्ठाती देवी माँ सरस्वती के पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूजन कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार से शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल जी ने यजमान के रूप में पूजन कार्य किया। पुरोहित के रूप में गुरू श्री गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ के पंडित श्री शुभम त्रिपाठी ने पूजन कार्य सम्पन्न कराया। इस अवसर पर सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान

19 फरवरी को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में वीर शिरोमणि छत्रपति शिवाजी महाराज की जयन्ती के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

विशिष्ट व्याख्यान

21 फरवरी को महाविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर हिन्दी विभाग द्वारा ''साहित्य में बहुभाषिकता'' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में लाल बहादुर शास्त्री स्मारक पी.जी. कॉलेज, आनन्दनगर, महाराजगंज के प्राचार्य डॉ. राम पाण्डेय ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने व आभार ज्ञापन डॉ. सुधा शुक्ल ने किया।

सप्त दिवसीय शिविर

27 फरवरी को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर का शुभारम्भ अभिगृहित ग्राम हसनगंज में हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में दिग्विजयनाथ पी. जी. कॉलेज, गोरखपुर के पूर्व प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह जी उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने, संचालन स्वयंसेविका सुश्री पूजा गुप्ता ने तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

amarujala.com
गोरखपुर | मंगलवार, 6 फरवरी 2024 8

सकारात्मकता से मिलती है सफलता

डिप्टी कलेक्टर के पद पर नियुक्त हुए कृष्णकांत विश्वकर्मा का हुआ सम्मान

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। सफलता के मार्ग में बाधाएं हमेशा आती रहती हैं। सफलता उन्हें ही मिलती है, जो इन बाधाओं से डटकर लड़ाई लड़ते हैं और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहते हैं। ईमानदारी से किया गया परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता। पढ़ाई में निरंतरता अनिवार्य है। सफलता प्राप्ति के लिए सोच सदैव सकारात्मक रखें।

ये बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आयोजित सम्मान समारोह में यूपीपीसीएस परीक्षा 2023 में 21वीं रैंक प्राप्त करने वाले महाविद्यालय के पूर्व छात्र कृष्णकांत विश्वकर्मा ने कहीं। डिप्टी कलेक्टर पद पर चयनित कृष्णकांत विश्वकर्मा ने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए विविध प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि सिविल सेवा की तैयारी में प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार के लिए अलग-अलग प्रकार की रणनीति की आवश्यकता होती है।

कृष्णकांत विश्वकर्मा को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित करते उप प्राचार्य डॉ विजय कुमार चौधरी। स्रोत : एमपी महाविद्यालय

इस अवसर पर महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज, जंगल धूसड़ के पूर्व प्रधानाचार्य ब्रह्मदेव यादव ने कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी सफलताओं से शिक्षण संस्थानों का मान बढ़ता है। महाविद्यालय परिवार उनकी इस उपलब्धि पर गौरवान्वित है। संचालन विनय कुमार सिंह एवं संयोजन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

हिन्दुस्तान।
गोरखपुर, मंगलवार, 6 फरवरी 2024 09

कैम्पस 30S

एमपीपीजी कालेज जंगल धूषण में कृष्णकान्त विश्वकर्मा को स्मृति चिन्ह दिया गया।

पढ़ाई में निरंतरता से मिलती है सफलता: कृष्णकांत

गोरखपुर। सफलता उन्हें ही मिलती है, जो इनसे डटकर लड़ते हैं और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहते हैं। पढ़ाई में निरंतरता अनिवार्य है। ये बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में आयोजित सम्मान समारोह में यूपीपीसीएस परीक्षा 2023 में 21वीं रैंक प्राप्त करने वाले कॉलेज के पूर्व छात्र कृष्णकांत विश्वकर्मा ने कहीं। डिप्टी कलेक्टर पद पर चयनित कृष्णकांत ने छात्रों की ओर से पूछे गए प्रश्नों के जवाब भी दिए। इस दौरान महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज, जंगल धूसड़ के पूर्व प्रधानाचार्य ब्रह्मदेव यादव, उप प्राचार्य डॉ. विजय चौधरी मौजूद रहे। संचालन विनय कुमार सिंह ने एवं संयोजन शिप्रा सिंह ने किया।

गोरखपुर, 6 फरवरी, 2024 दैनिक जागरण 11

सकारात्मकता से मिलती है सफलता : कृष्णकांत

गोरखपुर : यूपीपीसीएस परीक्षा 2023 में 21वीं रैंक प्राप्त करने वाले पूर्व छात्र कृष्णकांत विश्वकर्मा ने कहा कि सफलता के मार्ग में बाधाएं आती रहती हैं। सफलता उन्हें मिलती है जो डटकर लड़ाई लड़ते हैं और लक्ष्य पर केंद्रित रहते हैं। ईमानदारी से किया गया परिश्रम व्यर्थ नहीं जाता है। पढ़ाई में निरंतरता अनिवार्य है। सफलता प्राप्ति के लिए सोच सकारात्मक रखें। वह सोमवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में अपने सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

एमपी कृषक इंटर कालेज, जंगल धूसड़ के पूर्व प्रधानाचार्य ब्रह्मदेव यादव ने कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी सफलताओं से शिक्षण संस्थानों का मान बढ़ता है।

अध्यक्षता करते हुए उप प्राचार्य डा.विजय कुमार चौधरी ने कहा कि महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर प्रशासनिक सेवा में चयनित कृष्णकांत आज एक प्रेरणास्रोत के रूप में महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को प्रेरित कर रहे हैं। संचालन विनय कुमार सिंह एवं संयोजन शिप्रा सिंह ने किया।

सम्मान समारोह में कृष्णकांत विश्वकर्मा को स्मृति चिह्न भेंट करते उप प्राचार्य डा .विजय कुमार चौधरी • सौजन्य : महाविद्यालय

गोरखपुर। मंगलवार। 6 फरवरी। 2024 सहारा

डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित कृष्णकांत विश्वकर्मा का सम्मान

गोरखपुर (एसएनबी)। सफलता के मार्ग में बाधाएं हमेशा आती हैं, लेकिन सफलता उन्हें ही मिलती है जो इन बाधाओं से डटकर लड़ाई लड़ते हैं और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहते हैं। पढ़ाई में निरंतरता अनिवार्य है। सफलता प्राप्ति के लिए सोच सदैव सकारात्मक रखें।

यह बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आयोजित सम्मान समारोह में यूपीपीसीएस परीक्षा-2023 में 21वीं रैंक प्राप्त करने वाले महाविद्यालय के पूर्व छात्र कृष्णकांत विश्वकर्मा ने कहीं। डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित श्री विश्वकर्मा ने कहा कि जीवन में कुछ बनने के लिए सपने देखना बहुत जरूरी है। कठिन परिश्रम और समय के सही प्रबन्धन से कठिन से कठिन लक्ष्य आसान हो जाता है।

विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये विविध प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि सिविल सेवा की तैयारी में प्रारम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा तथा साक्षात्कार हेतु अलग-अलग प्रकार के रणनीति की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर महाराणा प्रताप कृपक इण्टर कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य ब्रहदेव यादव ने कहा कि पूर्वांचल में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, इस बात को कृष्णकांत विश्वकर्मा ने साबित कर दिया।

amarujala.com

मंगलवार, 20 फरवरी 2024

9

एमपीपीजी कॉलेज में शिवाजी पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय में सोमवार को प्रार्थना सभा में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता ने शिवाजी के जीवन चरित्र और कृति पर उद्बोधन देते हुए कहा कि शिवाजी भारत के उन वीर सपूतों में से एक है, जिनकी शौर्यगाथा इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गई है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें। संवाद

6 दैनिक जागरण गोरखपुर, 15 फरवरी, 2024

वसंत पंचमी : छात्रों, शिक्षकों व श्रद्धालुओं ने की मां सरस्वती की आराधना

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : वसंत पंचमी के दिन बुधवार को मां सरस्वती की पूजा कर छात्रों, शिक्षकों व श्रद्धालुओं ने आस्था अर्पित की। शिक्षण संस्थानों, मंदिरों में पूजन व गोष्ठियां आयोजित की गईं। इसी के साथ महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की जयंती भी मनाई गई। साथ ही पुलवामा के बलिदानियों को श्रद्धांजलि भी दी गई। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उत्सव व हल्लास का वातावरण रहा।

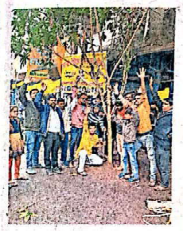

विधि के प्राचीन इतिहास विभाग में आयोजित कार्यक्रम में सरस्वती पूजन करती कुलपति प्रो. पूनम टंडन वहीं, सरस्वती विद्या मंदिर में सरस्वती पूजन में उपस्थित छात्राएं व पांडेय हाता में होलिका स्थापित करते समिति के लोग • जागरण

गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग में आयोजित पूजा में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पूनम टंडन थीं। उन्होंने कहा कि मां सरस्वती की कृपा से ही बुद्धि व समृद्धि प्राप्त होती है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में शिक्षकों व विद्यार्थियों ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। यजमान शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य डा. सत्येंद्रनाथ शुक्ला थे। बाबू पुरुषोत्तम दास राधा रमण दास महाविद्यालय, कुड़ाघाट में प्राचार्य डा. विकास रंजन मणि त्रिपाठी समेत सभी ने मां सरस्वती की पूजा की और पुलवामा बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सरस्वती शिशु मंदिर पक्की बाग में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक सुभाष व विशिष्ट अतिथि ग्रामीण विधायक विपिन सिंह ने पूजन के बाद नवनिर्मित भवन का लोकार्पण व एक अन्य भवन का शिलान्यास किया। जेसीआइ गोरखपुर मिडटाउन ने स्पर्श राजकीय दृष्टिबाधित बालिका इंटर कालेज में बच्चों में सामान वितरित कर वसंत ऋतु का स्वागत किया। एसएसएम कान्वेंट स्कूल बसंतपुर में डायरेक्टर पल्लवी जायसवाल ने पूजा की। इसी क्रम में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मनीषा संगीत विद्यालय, पीएम श्रीकेंद्रीय विद्यालय क्रमांक एक वायुसेना स्थल, महात्मा गांधी इंटर कालेज, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, सरस्वती शिशु मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुभाष चंद्र बोस नगर, सरस्वती बालिका विद्यालय सूर्यकुंड, स्वर सागर संगीत विद्यालय, अखिल क्षत्रिय महासभा मंडल इकाई समेत अनेक संस्थानों व विद्यालयों में सरस्वती पूजन आयोजित किया गया।

साइंसें एवं आर्ट प्रदर्शनी में दिखी बच्चों की प्रतिभा: वसंत पंचमी पर देव मेमोरियल पब्लिक स्कूल बेलीपार में 17वीं साइंस, आर्ट और क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। 300 से ज्यादा बच्चों ने 220 से अधिक माडल प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई। इसमें श्रीराम मंदिर, चंद्रयान-3 आदि आकर्षण के केंद्र रहे। मुख्य अतिथि विद्यालय के चेयरमैन दुर्गा शंकर पांडेय थे।

मंत्रोच्चार के बीच स्थापित हुई होलिकाएं: घोष कंपनी, बैंक रोड, बाल विहार, दाउदपुर, रुस्तमपुर, पांडेयहाता समेत अनेक स्थानों पर होलिकाएं स्थापित की गईं। पुरोहितों ने मंत्रोच्चार के बीच होलिकाओं को स्थापित कराया।

विद्यार्थियों को दी गई सफलता की दीक्षा: लिटिल स्टार एकेडमी इंदिरा नगर में सरस्वती पूजनोत्सव श्रद्धा के साथ मनाया गया। बोर्ड परीक्षार्थियों को प्रवेश-पत्र वितरित कर उन्हें सफलता की दीक्षा प्रदान की गई।

बच्चों ने की मां सरस्वती की पूजा: द पिलर्स स्कूल तारामंडल में बच्चों व शिक्षकों ने विधि-विधान से मां सरस्वती की पूजा की। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर वाहवाही बटोरी।

मंगलवार, 20 फरवरी 2024

4

अमर उजाला

प्राचीन इतिहास की मौखिकी परीक्षा आज

गोरखपुर। एमपी पीजी कॉलेज में स्नातक के पांचवें सेमेस्टर के प्राचीन इतिहास के माइनर की मौखिकी परीक्षा मंगलवार को होगी। प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने बताया कि संबंधित विद्यार्थी सुबह 10 बजे तक महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग में अपने प्रवेश पत्र और परिचय-पत्र के साथ गणवेश में उपस्थित हों। संवाद

गोरखपुर | बृहस्पतिवार, 22 फरवरी 2024 8 अमर उजाला

'भाषा व्यक्तियों को जोड़ने का माध्यम'

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर बुधवार को 'साहित्य में बहुभाषिकता' विषयक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता लाल बहादुर शास्त्री स्मारक पीजी कॉलेज आनंदनगर, महराजगंज के प्राचार्य डॉ राम पांडेय ने कहा कि भाषा व्यक्ति को व्यक्ति से जोड़ने का माध्यम है। आज विश्व की आधी भाषाएं खतरें में हैं। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी सीखने की होड़ में आज हम मातृभाषा से दूर हो रहे हैं। मातृभाषा में ही व्यक्ति अपनी सर्वोत्तम अभिव्यक्ति कर सकता है। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ आरती सिंह एवं आभार ज्ञापन सहायक आचार्य डॉ सुधा शुक्ल ने किया। संवाद

दैनिक जागरण 2 गोरखपुर, 26 फरवरी, 2024 www.jagran.com

शोधपूर्ण मंथन से और प्रगाढ़ होंगे भारत-नेपाल के सांस्कृतिक संबंध

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : भारत-नेपाल के बीच सांस्कृतिक संबंध और मजबूत करने के लिए महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में एक से तीन मार्च तक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी होने जा रही है। 'भारत-नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में नेपाल के 30 से अधिक विद्वान और विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। बड़ी संख्या में विद्वान आनलाइन भी विचार रखेंगे।

संगोष्ठी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में होगी। आयोजन के संयोजकद्वय डा.पद्मजा सिंह और डा.सुबोध कुमार मिश्र ने बताया कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डा.प्रदीप कुमार राव की देखरेख में उद्घाटन और समापन के अतिरिक्त आठ तकनीकी सत्र आयोजित होंगे। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, नेपाल के कुलपति प्रो.सुबरन लाल बज्राचार्य करेंगे। मुख्य अतिथि नेपाल सरकार के पूर्व गृह राज्यमंत्री देवेंद्र राज कंडेल होंगे। पहले दिन दो तकनीकी सत्र होंगे जबकि तीसरे दिन तीन तकनीकी सत्रों के अलावा प्रतिभागियों को गोरखनाथ मंदिर का भ्रमण कराया जाएगा। समापन सत्र की अध्यक्षता गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.पूनम टंडन करेंगी। मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश के कुलपति प्रो.श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी होंगे। प्रतिवेदन डा.अमित कुमार उपाध्याय प्रस्तुत करेंगे।

राष्ट्रीय सहारा M Y 10

प्रगाढ़ होंगे भारत-नेपाल के संबंध

गोरखपुर (एसएनबी)। सदियों से चले आ रहे भारत-नेपाल के सांस्कृतिक-अंतर्संबंध शोधपूर्ण मंथन से और प्रगाढ़ हों। इसके लिए एक से 3 मार्च तक महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगलधूसड़ में 'भारत-नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा: अतीत से वर्तमान तक' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। इसमें नेपाल के तीन दर्जन विद्वान यहां आकर और इससे अधिक आनलाइन जुड़कर भारतीय विद्वतजन के साथ उन आयामों पर चर्चा करेंगे जिससे भारत और नेपाल के मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई ऊंचाई दी जा सके।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में पहली मार्च से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

सेमिनार महायोगी गोरखनाथ विवि और महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगलधूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में होगा। यह महाविद्यालय वर्ष 2015 में भी भारत-नेपाल के मैत्री संबंधों पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन करा चुका है। दूसरी बार 1 मार्च से हो रहे अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के बारे में आयोजन के संयोजकद्वय डा. पद्मजा सिंह तथा डा. सुबोध कुमार मिश्र का कहना है कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव की देखरेख में उद्घाटन और समापन के अतिरिक्त आठ तकनीकी सत्र भी आयोजित किये जा रहे हैं। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, लुम्बिनी, नेपाल के कुलपति प्रो. सुबरन लाल बज्राचार्य करेंगे जबकि सारस्वत अतिथि के रूप में मध्य पश्चिम विश्वविद्यालय, सुर्खेत, नेपाल के उप कुलपति प्रो. नंद बहादुर सिंह, मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल सरकार के पूर्व गृह राज्यमंत्री देवेंद्र राज कंडेल और विशिष्ट अतिथि के रूप में वाल्मीकि विद्यापीठ, काठमांडू, नेपाल के प्राचार्य प्रो. भागवत ढकाल की सहभागिता रहेगी। उद्घाटन सत्र में बीज वक्तव्य दीदउ गोविवि के रक्षा एवं सत्रातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा का होगा। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विवि, अमर कंटक, मध्य प्रदेश के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि नेपाल संस्कृत विवि व अनुसंधान केंद्र, दांग, नेपाल के कार्यकारी निदेशक प्रो. सुधन कुमार पौडेल, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल के संस्कृत विभाग के आचार्य डा. सुबोध शुक्ल, प्रज्ञांक विद्यार्थी परिषद, काठमांडू नेपाल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रसाद ढकाल मौजूद रहेंगे। सेमिनार का प्रतिवेदन दीदउ गोविवि में राजनीतिक शास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डा. अमित कुमार उपाध्याय द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

amarujala.com
गोरखपुर | सोमवार, 26 फरवरी 2024
10

भारत-नेपाल के मैत्रीपूर्ण संबंधों पर होगा मंथन

एमपी महाविद्यालय जंगल धूसड़ में एक मार्च से होगा तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार

संवाद न्यूज एजेंसी

नेपाल से आएंगे 30 से अधिक विशेषज्ञ, इससे अधिक सेमिनार में जुड़ेंगे ऑनलाइन

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में 'भारत-नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन एक से तीन मार्च तक किया जा रहा है।

इसमें नेपाल के 30 से अधिक विद्वान और इससे अधिक ऑनलाइन जुड़कर भारतीय विद्वतजन उन आयामों पर चर्चा करेंगे, जिससे भारत और नेपाल के मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई ऊंचाई दी जा सके।

सेमिनार महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में होगा। यह महाविद्यालय वर्ष 2015 में भी भारत-नेपाल के मैत्री संबंधों पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार करा चुका है। एक मार्च को उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय नेपाल के कुलपति प्रो. सुबरन लाल बज्राचार्य करेंगे। जबकि सारस्वत अतिथि के रूप में मध्य पश्चिम विश्वविद्यालय, सुर्खेत, नेपाल के उप कुलपति प्रो. नंद बहादुर सिंह, मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल सरकार के पूर्व गृह राज्यमंत्री देवेंद्र राज कंडेल और विशिष्ट अतिथि के रूप में वाल्मीकि विद्यापीठ, काठमांडो नेपाल के प्राचार्य प्रो. भागवत ढकाल की सहभागिता रहेगी।

एमपी महाविद्यालय जंगल धूसड़।

उद्घाटन सत्र में बीज वक्तव्य दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा का होगा। तीसरे दिन समापन सत्र की अध्यक्षता गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी।

गोरखपुर, सोमवार, 26 फरवरी 2024 04 हिन्दुस्तान

आयोजन | महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में 1 मार्च से होगा तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार

भारत-नेपाल की विकास यात्रा पर करेंगे मंथन

- नेपाल से आएंगे करीब तीन दर्जन विद्वान, इससे अधिक ऑनलाइन जुड़ेंगे
- 2015 में भी भारत-नेपाल के मैत्री संबंधों पर सेमिनार का आयोजन हुआ है

एमपी पीजी जंगल धूसड़ जहां सेमिनार का आयोजन होगा।

गोरखपुर, निज संवाददाता। भारत-नेपाल के विद्वान दोनों देशों की विकास यात्रा पर मंथन करेंगे। आगामी 1 मार्च से शुरू हो रहे तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में कई विद्वान गोरखपुर के महाराणा प्रताप महाविद्यालय में जुटेंगे तो कई ऑनलाइन जुड़ेंगे।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में 'भारत-नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। इसमें भारत और नेपाल के मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई ऊंचाई देने के आयामों पर मंथन होगा। आयोजन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में होगा। इससे पहले महाविद्यालय वर्ष 2015 में भी भारत-नेपाल के मैत्री संबंधों पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन करा चुका है। दूसरी बार हो रहे सेमिनार के बारे में आयोजन के संयोजकद्वय डॉ. पद्मजा सिंह और डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने बताया कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की देखरेख में उद्घाटन और समापन के अतिरिक्त आठ तकनीकी सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। पहले दिन 1 मार्च को उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, लुम्बिनी, नेपाल के कुलपति प्रो. सुबरन लाल बज्राचार्य करेंगे। वहीं सारस्वत अतिथि के रूप में मध्य-पश्चिम विश्वविद्यालय, सुर्खेत, नेपाल के उप कुलपति प्रो. नंद बहादुर सिंह, मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल सरकार के पूर्व गृह राज्यमंत्री देवेंद्र राज कंडेल और विशिष्ट अतिथि के रूप में वाल्मीकि विद्यापीठ, काठमांडू, नेपाल के प्राचार्य प्रो. भागवत ढकाल की सहभागिता रहेगी। सेमिनार के तीसरे दिन प्रतिभागियों को गोरखनाथ मंदिर का भ्रमण कराया जाएगा। समापन सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। अलग-अलग तकनीकी सत्रों में अध्यक्ष, सह अध्यक्ष की भूमिका में भारत और एक नेपाल के एक-एक विषय विशेषज्ञ शामिल रहेंगे।

दैनिक जागरण 2 गोरखपुर, 28 फरवरी, 2024 www.jagran.com

समाज हित के लिए कार्य करते हैं एनएसएस स्वयंसेवक

जासं, गोरखपुर : महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ 'अभिगृहित' ग्राम हसनगंज में हुआ। शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीवीएन पीजी कालेज के पूर्व प्राचार्य डा. शैलेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्र की युवा शक्ति के व्यक्तित्व विकास के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित एक सक्रिय कार्यक्रम है। इसकी गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी, समाज के लोगों के साथ मिलकर समाज हित के लिए कार्य करते है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के उपप्राचार्य डा. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना समाज सेवा का बड़ा मंच । कार्यक्रम की प्रस्ताविकी कार्यक्रम धिकारी डा. आरती सिंह ने रखी। चालन पूजा गुप्ता और आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डा: अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

स्काउट-गाइड का मूलमंत्र समाज सेवा

जासं, गोरखपुर : सरस्वती विद्या मंदिर महिला पीजी कालेज के बीएड विभाग में मंगलवार को पांच दिवसीय स्काउट-गाइड शिविर का शुभारंभ हुआ। शुभारंभ करते हुए प्राचार्या डा .रीना त्रिपाठी ने कहा कि स्काउट-गाइड का मूल मंत्र ही समाज सेवा है। इससे जुड़ने से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है। मुख्य प्रशिक्षक इशरत सिद्दीकी ने कहा कि पांच दिवसीय शिविर में नियम, प्रतिज्ञा, सिद्धांत, बाया हाथ मिलाना, टेंट, पाक कला और पुल बनाना, प्राथमिक चिकित्सा आदि की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर डा. अशोक पांडेय, शाइस्ता इस्लाम, डा. रेनू सहगल, डा. रेखा श्रीवास्तव आदि मौजूद रहीं।

amarujala.com

गोरखपुर | बुधवार, 28 फरवरी 2024 8

शिक्षा एवं व्यक्तित्व निर्माण एनएसएस का उद्देश्य

गोरखपुर। एमपीपीजी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर का शुभारम्भ 'अभिगृहित' ग्राम हसनगंज में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना, स्वागत और राष्ट्रीय सेवा गीत से हुआ। मुख्य अतिथि दिग्विजय नाथ पीजी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि एनएसएस की गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी, समाज के लोगों के साथ मिलकर समाज हित के लिए कार्य करते हैं। सेवा के माध्यम से शिक्षा एवं व्यक्तित्व निर्माण राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि एनएसएस समाज सेवा का बड़ा मंच है। संवाद

हि हिन्दुस्तान

गोरखपुर, बुधवार, 28 फरवरी 2024 08

व्यक्तित्व निर्माण रासेयो का उद्देश्य

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के एनएसएस के सप्त दिवसीय शिविर का शुभारम्भ मंगलवार को 'अभिगृहित' ग्राम हसनगंज में हुआ। मुख्य अतिथि दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि रासेयो के स्वयंसेवक लोगों के साथ मिलकर समाज हित में कार्य करते है। सेवा के माध्यम से शिक्षा एवं व्यक्तित्व निर्माण एनएसएस का उद्देश्य है। अध्यक्षता उप प्राचार्य डॉ हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने की। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ.आरती सिंह, व डॉ अखिलेश गुप्त आदि मौजूद रहे।

हि हिन्दुस्तान

गोरखपुर, गुरुवार, 29 फरवरी 2024 08

विज्ञान प्रदर्शनी में दीक्षा राय का टीम रहा विजेता

गोरखपुर। सेंट एंड्रयूज कॉलेज में रसायन विज्ञान विभाग में रसायन परिषद के बैनर तले विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में कुल 38 समूहों में करीब 200 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

प्रथम पुरस्कार दीक्षा राय एवं टीम, द्वितीय पुरस्कार संयुक्त रूप से प्रेरणा पाठक एवं विवेक कुमार पाण्डेय की टीम तथा तृतीय पुरस्कार संयुक्त रूप से कन्हैया शर्मा और अंकिता सिंह की टीम को मिला। सांतवना पुरस्कार संयुक्त रूप से दिग्विजय नाथ महाविद्यालय की अंशिका राय, सुमित शर्मा एवं एमपी पीजी कालेज के निखिल सिंह की टीम को प्रदान किया गया। इस मौके पर प्रो. लल्लन यादव, प्रो निजामुद्दीन, प्राचार्य प्रो सीओ सैमुएल, प्रो सुभाष पीडी, डॉ जेके पांडेय, डॉ अमित मसीह, डॉ अपरा त्रिपाठी, डॉ राजेश सिंह, डॉ आनंद आदि मौजूद रहे।

क्विज में रितिका रहीं प्रथम

गोरखपुर। डीएवी पीजी कॉलेज में फिजिक्स सोसायटी फ्यूजन द्वारा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें रितिका पांडेय प्रथम, शशांक पांडेय द्वितीय तथा शिवम यादव तृतीय रहे। संदीप प्रसाद, दुर्गेश कुमार गुप्त, विवेक सिंह, खुशी गुप्ता, को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। प्राचार्या प्रो. शैल पांडेय ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डॉ मनोज श्रीवास्तव, डॉ राजेश राय ने भी संबोधित किया।

शोध व्याख्यान में अभय सिंह रहे प्रथम

गोरखपुर। एमपी पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की पुण्यतिथि एवं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों के लिए आयोजित शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में अभय सिंह प्रथम, नवीन विश्वकर्मा द्वितीय, शिखा खरवार तृतीय रहे। इस मौके पर प्रो. पीपी पाण्डेय, डॉ. आरएन सिंह आदि मौजूद रहे।

भारतीय नभमण्डल के धार्मिक-आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षितिज के दैदीप्यमान नक्षत्र युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज नें पूर्वांचल के शैक्षणिक विकास एवं भारतीय संस्कृति, परम्परा, सनातन ज्ञान-विज्ञान एवं कौशल से ओत-प्रोत शिक्षा के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से सन् 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की थी। सिद्ध गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय पूर्वांचल के शिक्षा क्षेत्र की एक अग्रणी संस्था है । महाविद्यालय के मासिक गतिविधियों का एक संक्षिप्त संकलन ''ध्येय पथ'' नाम से मासिक ई-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इसी क्रम में फरवरी माह की मासिक ई-पात्रिका ध्येय-पथ आप सभी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़ गोरखपुर